

एस्ट्रिक्स और कड़ाहे का रहस्य

कथा: गोसिनी

चित्र: उडरजो

अनुवाद: एच० आई० पाशा सुलेख: हरीश एम० सूदन Price Rs. 5.00



DUBLIHER PRIVATE LID.

Gulab House, Mayapuri Industrial Area, New Delhi-110 064

© DARGAUD EDITEUR PARIS 1969 BY GOSCINNY & UDERZO

© FOR THE HINDI TRANSLATION GOWARSONS PUBLISHERS PRIVATE LIMITED 1982.





कुह् प्रमुख गॉलवासी

एस्ट्रिक्स! हमारी इस झौर्य कषा का नायक! सक चालाक और बड़ी दूर तक सोचने वाला, खोटे कद का मगर बड़े दिल गुर्दे वाला लडाकू! गांव में आने वाली हर समस्या के समाधान का कार्य इसी को सौंपा जाताहै! शस्ट्रिक्स अपनी अंद्रुश्वत झक्ति उस काढ़े से प्राप्त करता है जो हकी में दुस्पाणिक्स बनाता है....



ओबेलिक्स! एस्ट्रिक्स का लंगोटिया यार्- मेन्हिरब्बाने का धंधा करता है और जंगली सूअर खाने का बौकीन है! जबभी एस्ट्रिक्स किसीन ये अभियान पर् निकलता है ओबेलिक्स अपने सारे खंधे छोड़ कर उसके साथ चल पड़ता है- बार्त यही होती है कि खाने के लिस सुअर और सेहत बनाने के लिस मारपीर होती रहे ...

वैद्यनाथिक्स! गांव का अद्भुत हकीम! विद्योष तरहकी नड़ी बूटियां इकट्ठा करता है और उन से जादुई कादा बनाता है- स्टेसाकादा जिसे पीते ही आदमी के द्यारीर में अद्भुत झक्ति आजाती है! इसके अलावा भी उसके पास अनेक प्रकवानों के रहस्य हैं.....



बेसुरिक्स, गर्वेथा! उसकी संगीत प्रतिमा के बारे में हो विचार घारासं पाई जाती हैं! स्वयं बेसुरिक्स के विचार में वह महान है! अन्य लोग उसका मुंह स्वुलते ही ढ़ांत पीस कर कानों में अंगुली रखले ते हैं! जब तक वह मुंह बंद रुखता है सभी उसे पसंदकर ते हैं!



और-मोटूमिलक्स! गांव का मुखिया! आन बान और बान से मर पूर और गर्म विज्ञान! उसके अपने उसकी इन्ज्ञत करते हैं और दु इसन डरते हैं! रवुद मोटू मलिक्स को केवल एक डर सताता है- कल उसके सिर पर आसमान टूट गिरेगा! पर वह यह भी कहता है कि कल कभी नहीं आता!



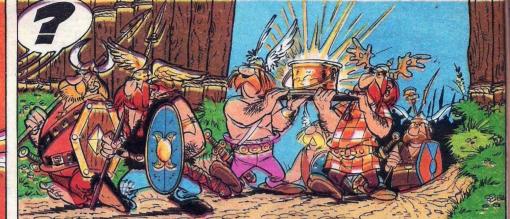
































सब से भरोसे मंद्र जवान

रम्द्रिक्सकेक बने में









अरेबडे मियां, नगढ़ी को अगर

कुंस में रखो तोवहां से भी उसकी

मुक औरो देशास्त

के बारे में रेसे विचाए? में

रोमनों के साय ठ्यापार जरूर

करता हूं!!

बू रोमनों की नाक तक पहुंच जारोगी!!















































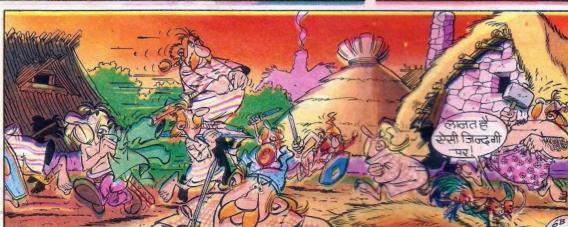


































































इसेन्नाही से मरना है! हमारी नगढ़ी!! क्या समभे? नगढ़ी!! नगढ़ी!!!















यह सरासर बेहु मानी है!! हमें दूसरी छावितयों के जवानों को भी सावधान करना चाहिये!!! बगावत.











अच्छा तो यह डकत

लोग जाजकल यहां

सं.. जरूरनगढी भी













ग-ग-गाल

उस सेहस नया जहाज रूत्रीद्वी !















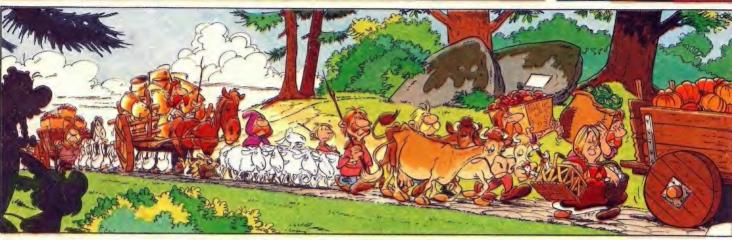




















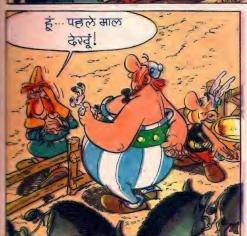
















































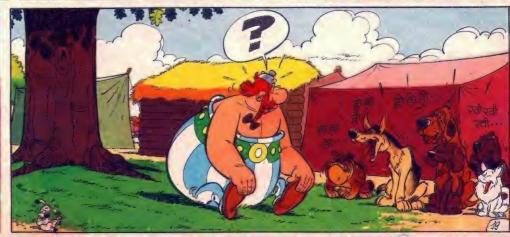


































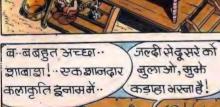












वेदियो और सज्जना .. यहलवान न्सवर स्वत !





































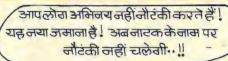






















यह जानकर स्वुझी हुई कितुमने कमी अभिनय नहीं किया! तुम महानहों! जरूरत सिर्फ्ड्सबात की है कि तुम कुछ कह सको!! कहनातोयह है कि हमें यह कड़ाहा भरना है!



























考?













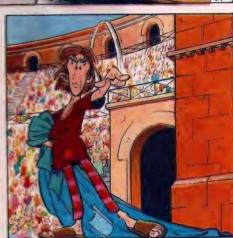












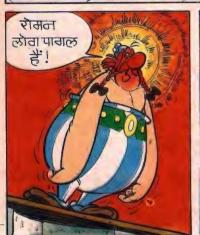




















































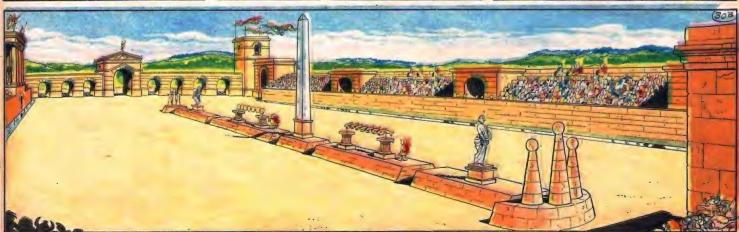




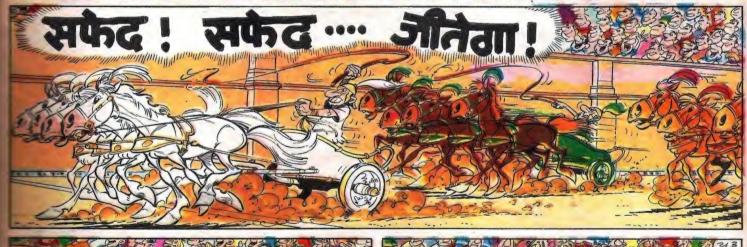


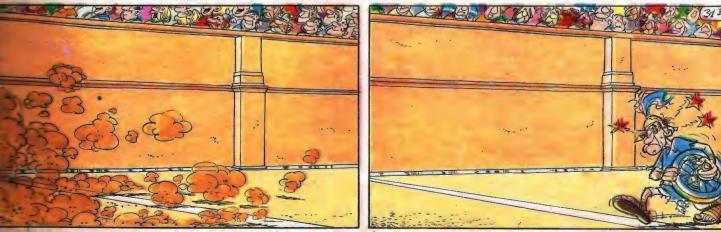


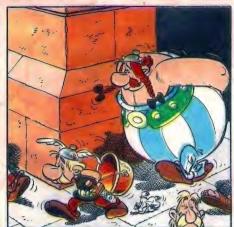








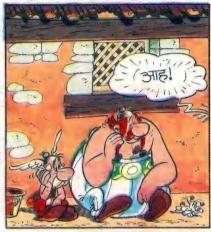








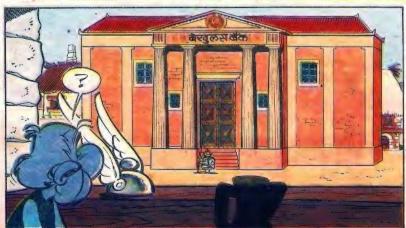










































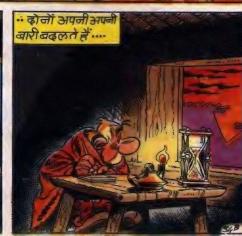










































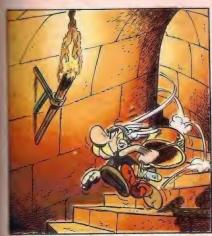








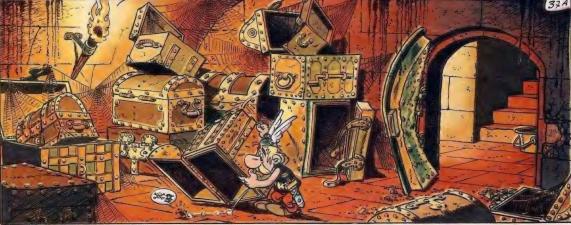










































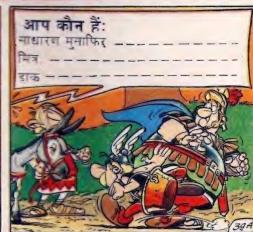












































स्क मिन्टरुको!





























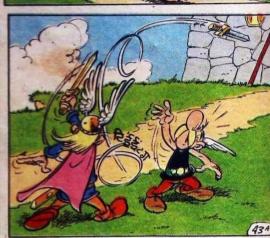
















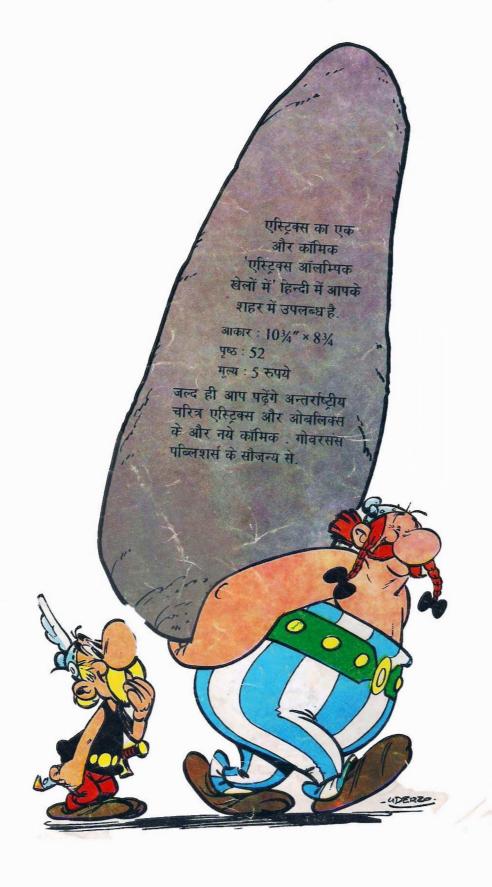














Edited & Posted by

PBC

at

bookscomics.blogspot.com

Scanned
by
Anurag Dixit